(11)

फार्म

अचल संपत्ति विवरणिका वर्ष -2016-17

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण वर्ष 1979

1. अधिकारी /कर्मचारी का पूरा नाम प्रमोद भास्कर दिक्षीत 2. वर्तमान धारित पद सहायक यंत्री (सिविल) 3. कार्यालय का नाम अतिउच्च दाब निर्माण (संभाग) म.प्र.पा.ट्रां.कं.लि. इन्दौर 4. वर्तमान वेतन 46750+6600+D.A. 5. भविष्य निधि क्रमांक 22609803 6. कर्मचारी संख्या 90462936

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा बयौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाईये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी / कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जितकी गई हो उसका नाम तथा बयौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
(1) प्रीमियम पार्क उज्जैन रोड इन्दौर	आवासीय मकान 1100 स्के.फिट	—	18 लाख	स्वयं के नाम पर	L.I.C. से ऋण लेकर	निरंक	—
(2) ग्राम बगोदा जि. इन्दौर	—	0.39 हेक्टेयर कृषि भूमि	शासन के नियमानुसार	तदैव	अल्प बचत एवं अन्य सम्पत्ती के विक्रय से अर्जित	निरंक	—

कार्यपालन यंत्री
(अति. उच्च दाब निर्माण) संभाग
म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कं. लि., इन्दौर

हस्ताक्षर ....

नाम प्रमोद भास्कर दिक्षीत

पद सहायक यंत्री (सिविल)

* जहाँ लागू न हो काट दीजिए

** ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही - सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिती के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए

*** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित है

टिप्पणी :- मंडल द्वारा ग्राहय म.प्र.शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1985 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेनी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्त्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।